सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 38 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 10 मार्च, 2025

मूल्य ₹ 3/-

मछलियाँ पानी में रहती हैं, जैसे इंसान जमीन पे रहता है, बड़े वाले छोटे वालों को खा जाते हैं।

-विलियम शेक्सपीयर

भारत ने सातवीं आईसीसी ट्रॉफी... 7 | बिहार में बड़े व छोटे भाई का... 3 | भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को... 2

ईडी मेहमान, भूपेश बघेल बने मेजबान

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई

» चार इनोवा कारों से पहुंचे अधिकारी

» पूर्व सीएम का जवाब- पंजाब में कांग्रेस को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर एक बार फिर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हैं। इस बार उनके बेटे चैतन्य बघेल के आवास पर छापेमारी की जा रही है। खबर लिखे जाने तक ईडी की 14 टीमे सर्च वारंट लेकर सर्वे की कार्रवाई कर रही हैं। गौरतलब है कि पूर्व में भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा और बघेल के दो विशेष कार्य अधिकारियों (ओएसडी) के परिसरों पर भी छापा मार कर तलाशी ली गयी थी।

आज सुबह छत्तीसगढ़ के भिलाई के पदुम नगर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के आवास पर छापेमारी की। ईडी की 14 टीमें चार इनोवा कारों में सवार होकर चैतन्य के भिलाई स्थित आवास पर पहुंचीं। सूत्रों के मुताबिक आज की कार्रवाई एक बड़े अभियान का हिस्सा हो सकता है, जिसमें केंद्रीय जांच एजेंसी ने राज्य भर में करीब 14 स्थानों पर छापेमारी की, इनमें से कुछ चैतन्य बघेल से जुड़े हैं।

महादेव ऐप से जुड़ा है मामला

ईडी के अधिकारियों ने चैतन्य बघेल के दफ्तर के दस्तावेज खंगाले। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम कोयला घोटाला और महादेव सट्टा ऐप मामले में जांच करने आई है। इससे पहले 2023 में जब राज्य में चुनाव होने वाले थे, तब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रायपुर और दुर्ग जिलों में बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा और दो विशेष कार्य अधिकारियों (ओएसडी) के परिसरों पर तलाशी ली थी।

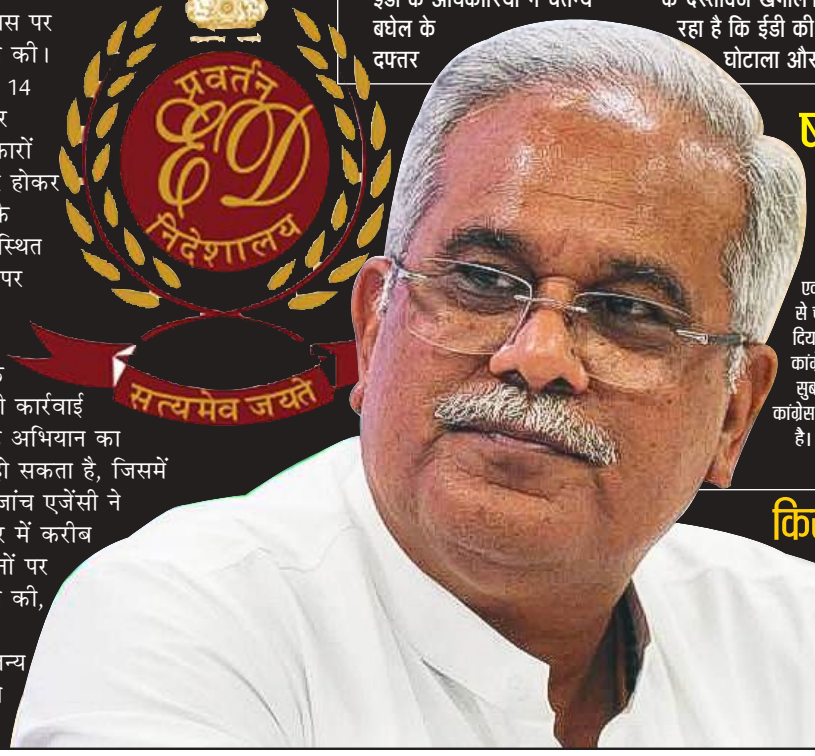

षड्यंत्र से कोई लाभ नहीं : बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यालय ने अपने एक्स हैंडल पर छापेमारी पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया है कि पिछले सात वर्षों से चले आ रहे झूठे केस को जब अदालत में बर्खास्त कर दिया गया है तो आज ईडी के मेहमानों ने पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल के भिलाई निवास में आज सुबह प्रवेश किया है। अगर इस षड्यंत्र से कोई पंजाब में कांग्रेस को रोकने का प्रयास कर रहा है तो यह गलतफहमी है। यह पहली बार नहीं है जब ईडी ने बघेल से जुड़े किसी मामले में छत्तीसगढ़ में तलाशी अभियान चलाया है।

राहुल के बेहद करीबी हैं भूपेश बघेल

भूपेश बघेल राहुल गांधी के बेहद करीबी और विश्वासपात्र बताये जाते हैं। राहुल गांधी के कहने पर ही छत्तीसगढ़ में टीएस सिंह देव की जगह भूपेश बघेल को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया था। बाद में उन्हें पंजाब कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया है। भूपेश बघेल ने पंजाब प्रभारी बनते ही वहां का राजनैतिक रूट मैप बना कर काम करना शुरू कर दिया है। भूपेश बघेल एक बेहतरीन संगठक माने जाते हैं। लोकसभा चुनाव में भूपेश ने यूपी की कई सीटों पर चुनाव प्रचार किया था। बाराबंकी लोकसभा में कई रैलियां आर नुक्कड़ सभाएं कर तनुज पूनिया की जीत प्रशस्त करने का काम भी किया।

किस केस में हुई कार्रवाई किसी को नहीं मालूम : खेड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने वीडियो जारी कर कहा है कि ईडी की छापेमारी की परंपरा बीजेपी ने शुरू की है। यह छापेमारी किस केस में की जा रही है किसी को नहीं मालूम। छापेमारी क्यों हो रही है? नहीं मालूम। उन्होंने आगे कहा कि आज से कुछ दिनों पहले कोर्ट ने सीबीआई का एक केस जो बघेल के खिलाफ था, उसको खारिज कर दिया था। उनके खिलाफ कोई केस नहीं है। फिर भी आज ईडी की छापेमारी उनके आवास पर चल रही है। आज संसद का सत्र शुरू हो रहा है। भाजपा चारों तरफ से घिरी हुई है। छापेमारी ध्यान भटाकने का एक षड्यंत्र है। ये भी हो सकता है कि भूपेश बघेल पंजाब में अपनी राजनीतिक गतिविधि अब शुरू कर रहे हैं, प्रभारी बने हैं।

बीजेपी सभासदों का विद्रोह, नहीं हो सकी निगम कार्यकारणी की बैठक

उच्चाधिकारियों की हिटलरशाही के विरोध में 10 सभासदों ने बनाई बैठक से दूरी

» बजट अधर में, अब कैसे होगा शहर का काम

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिस निकाय के बल पर आज बीजेपी की सत्ता पूरे देश में है। लगता है उसी निकाय में बीजेपी की चूलें हिलना शुरू हो गयी है। आज पहली बार ऐसा हुआ है कि नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक से बीजेपी के 10 पार्षदों के एकाएक नदारद होने के चलते बजट जैसी महत्वपूर्ण चर्चा को टालना पड़ा।

सूत्रों के मुताबिक बीजेपी पार्षदों में नगर निगम की कार्यशैली को लेकर लंबे समय से विरोध चल रहा है। सभासद एलएसए कंपनी का विरोध कर रहे हैं और उस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। लेकिन विरोध के बाद भी एलएसए को निगम के टेंडर मिल रहे हैं और वह काम कर रही है।

नहीं पहुंचने वाले सभासद

मुकेश सिंह मोंटी,अनुराग मिश्रा ,अनुप कवल सक्सेना उमेश सगवाल, भरगूनाथ शुक्ला, कृष्णा नारायण सिंह गौरी सांवरिया

नहीं पारित हो सका बजट

आज नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक, जो वित्त वर्ष 2025-26 के बजट को पारित करने के लिए आयोजित की गई थी अधर में लटक गयी है। भारतीय जनता पार्टी के आठ पार्षद बिना किसी पूर्व सूचना के बैठक से अनुपस्थित रहे, जिससे नगर निगम का बजट पारित नहीं हो सका। यह बैठक आज सुबह 9 बजे नगर निगम मुख्यालय में प्रस्तावित थी, जिसकी सूचना सभी कार्यकारिणी सदस्यों को 3 मार्च को पत्र और फोन के माध्यम से दे दी गई थी। बैठक की पूर्व संध्या पर कैम्प ऑफिस में भी बजट को लेकर चर्चा की गई थी।

सिर्फ दो सभासद पहुंचे

आज की महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा से केवल उपसभापति गिरीश गुप्ता और रंजीत सिंह ही उपस्थित हुए, जबकि आठ अन्य भाजपा पार्षद बिना किसी कारण बताए बैठक में नहीं पहुंचे। इस अनुपस्थिति के चलते नगर निगम के दैनिक कार्यों और लखनऊ के विकास योजनाओं पर प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। नगर निगम प्रशासन ने इस विषय पर गंभीरता दिखाते हुए संबंधित पार्षदों से अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट करने की मांग की है। प्रशासन का मानना है कि बजट बैठक न होने से राजधानी की विकास योजनाओं में बाधा आ सकती है।

भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को सरकार का संरक्षण : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने सीतापुर में पत्रकार की हत्या पर योगी सरकार को घेरा

» बोले- प्रदेश में कानून- व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा व योगी सरकार पर जमकर प्रहार किया है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की दिनदहाड़े हत्या भाजपा सरकार की जीरो टॉलरेंस की पोल खोल रही है।

अखिलेश ने बयान में कहा कि सरकारी विभागों में हर स्तर पर लूट और घपले चल रहे हैं। भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को सरकार का संरक्षण मिला है। वे खुलेआम सरकारी धन की बंदरबांट कर रहे है और कालाबाजारी जमकर चल रही है। मुख्यमंत्री ने सदन में महाकुंभ में तीस करोड़ कमाने वाले का फर्जी हिसाब तो दे दिया, लेकिन अपनों को खोने वालों के प्रति संवेदना तक नहीं जताई और न ही महाकुंभ में भगदड़ में मरने वालों की संख्या बताई। कहा, जब सरकार खुद अपराधियों का विधानसभा में खड़े होकर महिमामंडन करेगी, तो कानून व्यवस्था कैसे सुधरेगी।

परिवार को न्याय नहीं मिला तो सड़कों पर होगा आंदोलन : पल्लवी पटेल

अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल ने राघवेंद्र के परिजनों से मुलाकात की। कहा कि एक ईमानदार पत्रकार की निर्मम हत्या कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। अपराधियों पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। कहा कि परिवार को आर्थिक मुआवजा दिया जाए। दोषियों को जल्द पकड़ा जाए। परिवार को न्याय नहीं मिला तो सड़कों पर आंदोलन होगा।

होली पर सपा करेगी पीडीए मिलन समारोह

होली पर सपा पीडीए मिलन समारोह का आयोजन करेगी। इसके लिए सभी जिलों में तैयारियां की जा रही हैं। इसके जरिये पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) को पार्टी की नीतियों और संविधान के संबंध में जानकारियां दी जाएंगी।पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सपा पीडीए के बीच लगातार अभियान चला रही है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में इसका उसे फायदा मिल सके। लोकसभा चुनाव में पीडीए की रणनीति सफल होने के बाद पार्टी इसे लगातार आगे बढ़ा रही है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि पीडीए से सत्ताधारी दल भी डरा है। इसलिए भाजपा के नेता भी अपनी सभाओं में, सदन और सदन के बाहर भी सपा की इस रणनीति का जिक्र करते हैं। इसलिए पार्टी ने फैसला किया है कि होली के अवसर पर सभी जिलों में छोटे-छोटे पीडीए मिलन समारोह करके इन वर्गों में पैठ बढ़ाई जाए।

भाजपा नहीं, ये आश्वासन की सरकार : जीतू पटवारी

» प्रदेश अध्यक्ष बोले- सरकार के मंत्रियों के 2500 से ज्यादा जवाब हवा-हवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधान सभा में मंत्रियों के 2500 से ज्यादा जवाब में केलव अश्वासन मिला है। इस मामले पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि कि मोहन सरकार, शिवराज की तरह सदन में झूठ के पांव पर सरक रही। मध्यप्रदेश विधानसभा में सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों और सरकार की ओर से दिए गए जवाब केवल आश्वासन हैं।

मामले को लेकर उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कार्टून कैरिकेचर के साथ पोस्ट किया है। जीतू पटवारी ने एक्स पर लिखा- भाजपा नहीं, ये आश्वासन सरकार है! मप्र विधानसभा में जनता से जुड़े सवालों पर मुख्यमंत्री मंत्रियों के 2500 से ज्यादा जवाब सिर्फ आश्वासन बने हुए हैं! मतलब साफ है 151 सत्ता भी सरकार की तरह ही सदन में झूठ के पांव पर सरक रही है! नीचे दर्ज आंकड़े सत्ता के केवल 10 विभागों के हैं, लेकिन झूठ की ऐसी झूठी राजनीति सरकार के हर विभाग की है!

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की सोमवार 10 मार्च से शुरुआत हो रही है। विधानसभा सत्र की शुरुआत राज्यपाल मंगूभाई पटेल के अभिभाषण के साथ होगी। राज्यपाल मंगूभाई पटेल सरकार की उपलब्धियां और आगामी एक साल की कार्ययोजना का खाका सदन के सामने रखेंगे। 24 मार्च तक चलने वाले बजट सत्र में 9 बैठक होगी। 11 मार्च को सरकार अनुपूरक बजट पेश करेगी और आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। 12 मार्च को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा मोहन सरकार का दूसरा पूर्ण बजट पेश करेंगे। मोहन सरकार का बजट करीब 4.20 लाख करोड़ का होने का अनुमान है। 2024-25 का बजट 3.65 लाख करोड़ रुपये का था। वर्ष 2025-26 के बजट में किसान, महिला, युवा, जनजातीय और आम जनता पर फोकस होगा। बजट सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है। विपक्ष ने सरकार को प्रदेश में हुए घोटालो पर घेरने की तैयारी की है। कांग्रेस बजट सत्र में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाएगा।

वक्फ संशोधन के जरिए हिंदू-मुस्लिम करना चाहती है केंद्र सरकार : सावंत

» शिवसेना (यूबीटी) ने भाजपा पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने दावा किया है कि वक्फ अधिनियम में संशोधन करने को लेकर केंद्र सरकार की मंशा अच्छी नहीं है और वह इसके जरिए देश में हिंदू-मुस्लिम विमर्श खड़ा करना चाहती है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त समिति के सदस्य रहे सावंत ने साक्षात्कार में भाजपा सांसद जगदंबिका पाल पर गुमराह करने वाला रवैया अपनाने और प्रस्तावित कानून पर खंड-वार चर्चा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने समिति की कार्यप्रणाली को तानाशाही भरा करार दिया। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण को सरल बनाना और उनके दुरुपयोग को रोकना है। यह विधेयक बजट सत्र के दूसरे चरण में संसद में पेश होने की संभावना है, जो 10 मार्च से चार अप्रैल तक चलेगा। सावंत ने कहा कि 31 सदस्यों वाली समिति में शामिल 10 विपक्षी सदस्यों को जनवरी में विधेयक पर खंडवार विचार के समय को लेकर हुए हंगामे के बाद निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अपने आप में समिति के अध्यक्ष की तानाशाही भरी कार्यप्रणाली को दर्शाता है, जिन्होंने समिति के कामकाज के संचालन के लिए भाजपा नेताओं के निर्देश पर काम किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, सरकार की मंशा अच्छी नहीं है। वे इस देश में एक विमर्श खड़ा करना चाहते हैं और वे लगातार ऐसा कर रहे हैं तथा लोगों को मूर्ख बना रहे हैं।

प्रदेश में जंगलराज कायम : अजय राय

» प्रदेश अध्यक्ष बोले- कांग्रेस पार्टी पत्रकारके परिजनों के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा की प्रदेश में जंगलराज कायम है। जनता की आवाज उठाने वाले सुरक्षित नहीं हैं। लोगों ने बताया कि हम जिस रास्ते से आए हैं वहीं हत्या की गई थी जो कि दिखाता है कि अपराधी बेलगाम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार कानून व्यवस्था खराब होने का मुद्दा उठा रही है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पत्रकार राघवेंद्र अवस्थी के महोली स्थित घर पहुंचे। यहां शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। कहा कि जनता की बात उठाने वाले सुरक्षित नहीं हैं। यह सरकार झूठे वादे करती है। जिस तरह दिनदहाड़े मुख्य मार्ग पर हत्या हुई, वह बेहद शर्मनाक है। लोग डरे हुए हैं।

कांग्रेस पार्टी पत्रकार के परिजनों के साथ है। अगर न्याय नहीं मिला तो सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने दिवंगत पत्रकार के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजे के साथ आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के अलावा भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा अरुण वर्मा, अवध क्षेत्र प्रभारी कमलेश मिश्रा, विधायक महोली शशांक त्रिवेदी व अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी ढांढस बंधाया।

लोगों को अपना व अमेठी को घर मानता है गांधी परिवार : किशोरी लाल

अमेठी। बाजारशुकुल (अमेठी)। सांसद किशोरीलाल शर्मा ने कहा कि अमेठी के प्रत्येक नागरिक की तरह वह भी गांधी परिवार के शुभचिंतक हैं। गांधी परिवार यहां के लोगों को अपना और अमेठी को घर मानता है। स्थानीय बाजार के ठाकुरगंज में पेट्रोल पंप के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे सांसद ने कहा कि विनम्रता और संघर्ष ही जीवन में आगे बढ़ने के गुण हैं। इसी के साथ जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने सन 1989 से गांधी परिवार के करीबी रहे दिवंगत राजेंद्र प्रताप सिंह ककक्न सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। कहा कि वे सांसद नहीं बल्कि अमेठी के लोगों के भाई हैं। अमेठी के प्रत्येक नागरिक की तरह वह भी गांधी परिवार के सुख-दुख में शामिल रहते हैं। इसलिए गांधी परिवार हमेशा अमेठी को अपना घर समझता है। पार्टी नेता भूपेंद्र विक्रम सिंह व पूर्व जिला पंचायत सदस्य माया सिंह ने लोगों के साथ ही सांसद का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीशपुर राजेश विक्रम सिंह, दद्दन सिंह, राजकुमार चौहान, जय सिंह, अखिलेश शुक्ला, बब्बन द्विवेदी, सुरेश श्रीवास्तव, सुशील शुक्ला, मयंक शुक्ला, रामसुंदर यादव, अयाज उर्फ़ चंदा, मतीन अहमद आदि मौजूद रहे।

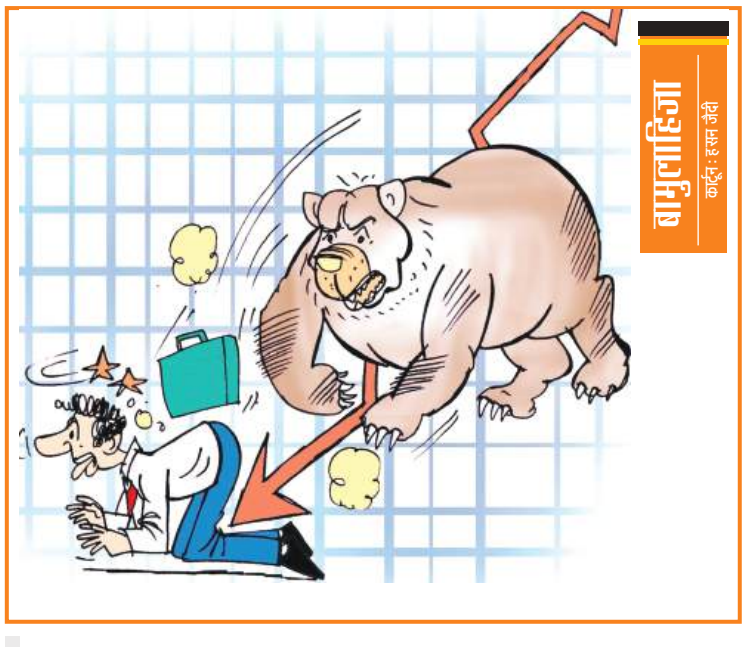

मुसलमानों को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया जा रहा : मौलाना मदनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य संगठनों द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ आहूत विरोध प्रदर्शन को समर्थन देते हुए दावा किया कि मुसलमानों को उनके अधिकारों को पुन: प्राप्त करने के लिए सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

जमीयत प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि 12 फरवरी, 2025 को संगठन की कार्यसमिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि यदि विधेयक पारित होता है, तो जमीयत उलेमा-ए-हिंद की सभी राज्य इकाइयां अपने-अपने राज्य के उच्च न्यायालयों में इस कानून को चुनौती देंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, जमीयत इस विश्वास के साथ उच्चतम न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाएगी कि न्याय मिलेगा, क्योंकि अदालत हमारे लिए अंतिम सहारा है। उन्होंने 13 मार्च को यहां जंतर-मंतर पर प्रस्तावित ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य राष्ट्रीय संगठनों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि मुसलमानों को उनके अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों से मुसलमानों ने बहुत धैर्य और सहनशीलता का परिचय दिया है।

बिहार में बड़े व छोटे भाई का खेल शुरू

» भाजपा बड़े की भूमिका में चुनाव लड़ेगी

» जदयू व सहयोगियों के लिए होगी चर्चा

» भाजपा- एनडीए गठबंधन का फॉर्मूला तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में सियासी उठापटक जारी है। जहां राजद नेता व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी पूरी तरह से सक्रिय हो गए हैं। वह समय-समय पर भाजपा व जदयू पर हमलावर रहते हैं। नेता प्रतिपक्ष सबसे ज्यादा मुखर राज्य के सीएम नीतीश कुमार पर हैं। वह रह-रहकर उनकी उम्र पर तंज कसते रहते हैं। इन सबके बीच भाजपा ने दावा कर दिया हे कि वह नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बिहार का चुनाव लड़ेगी। दबी जुबान कई भाजपा नेता इसबार बड़े भाई की भूमिका में रहने की बात करते हैं।

इन सब खबरों के बीच विपक्ष तो ये कहने लगा हैं नीतीश को हाल चुनाव के बाद एकनाथ शिंदे की तरह हो जाएगा। हालांकि एसी सूचना हैं कि इस बार भाजपा ने बिहार में जेडीयू से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार कर ली है। इस रणनीति के तहत भाजपा ने पिछले विधानसभा चुनाव के 122-121 के फॉर्मूले को दरकिनार करते हुए 139-104 का नया फॉर्मूला तैयार कर लिया है।बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दिलचस्प दौर जारी है। नीतीश कुमार जहां एक बार फिर अपने पुराने रूप में आते हुए लालू यादव और राबड़ी देवी पर तीखा हमला बोल रहे हैं। नीतीश तेजस्वी यादव पर निशाना साधने के साथ ही बिहार के मतदाताओं को 2005 से पहले के बिहार की भी लगातर याद दिला रहे हैं। बिहार की राजनीति के बारे में एक बात तो शीशे की तरह साफ है कि नीतीश कुमार से लेकर लालू यादव और तेजस्वी तक, चिराग पासवान से लेकर भाजपा तक, सब एक दूसरे की मंशा से वाकिफ है। सब बेहतर मौके का इंतजार कर रहे हैं और बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे ही यह बताएंगे कि चुनाव के बाद कौन किसके साथ रहेगा और राज्य में किसकी सरकार बनेगी ?

जेडीयू से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाजपा

इस बार भाजपा ने बिहार में जेडीयू से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार कर ली है। इस रणनीति के तहत भाजपा ने पिछले विधानसभा चुनाव के 122-121 के फॉर्मूले को दरकिनार करते हुए 139-104 का नया फॉर्मूला तैयार कर लिया है। इस फॉर्मूले के हिसाब से 2020 के विधानसभा चुनाव में 115 सीटों पर लड़ने वाले नीतीश कुमार की पार्टी को इस बार सिर्फ 104 सीटों पर ही संतुष्ट होना पड़ेगा। भाजपा इस फॉर्मूले के तहत 139 सीटें अपने कोटे में रखने की तैयारी कर रही है। भाजपा के आला नेताओं ने नीतीश कुमार को इस फॉर्मूले के बारे में बताते हुए यह भी साफ कर दिया है कि पार्टी अपने कोटे में से ही गठबंधन में शामिल अन्य दलों को सीटें देंगी।

चिराग, मांझी और कुशवाहा को बंटेंगी सीटें

बताया जा रहा है कि 139 सीटों के अपने कोटे में से भाजपा 20 सीट चिराग पासवान की पार्टी को देगी और 7-7 सीट जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को देगी। बाकी बची 105 सीटों पर भाजपा अपने उम्मीदवार खड़े करेगी। इस हिसाब से भाजपा नीतीश कुमार की पार्टी से एक सीट ज्यादा पर चुनाव लड़कर बिहार एनडीए गठबंधन की राजनीति में न केवल बड़े भाई की भूमिका में चुनाव लड़ेगी बल्कि इसके साथ ही चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के उम्मीदवारों के चयन में भी अपना दखल बनाए रखेगी। भाजपा की यह पूरी कोशिश होगी कि 139 के अपने कोटे वाली सीटों पर ही शानदार प्रदर्शन करते हुए बहुमत के लिए जरूरी 122 सीटें हासिल कर ली जाए। अगर पार्टी अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो फिर नीतीश कुमार की मोलभाव करने की राजनीतिक क्षमता खत्म हो जाएगी। भाजपा बड़े आराम से चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की मदद से बिहार में अपना मुख्यमंत्री बना लेगी।

प्रशांत किशोर के एक बयान ने बिहार की राजनीति को गरमाया

लेकिन नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की लड़ाई के बीच प्रशांत किशोर के एक बयान ने बिहार की राजनीति को पूरी तरह से गरमा दिया है। जन सुराज पार्टी के बैनर तले बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे प्रशांत किशोर ने यह बयान देकर सनसनी पैदा कर दी है कि नीतीश कुमार बीजेपी के साथ मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे लेकिन नतीजों के बाद वे फिर से पाला बदल सकते हैं। प्रशांत किशोर ने इसके साथ ही अपने कई पुराने बयानों को दोहराते हुए नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर भी कई तरह के गंभीर सवाल उठाए।

भाजपा ने बनाई रणनीति

भाजपा के रणनीतिकारों को भी नीतीश कुमार की राजनीतिक शैली का बखूबी अंदाजा है। इसलिए पार्टी के रणनीतिकारों ने पहले ही इसे ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति बना ली है। बताया जा रहा है कि भाजपा इस बार बिहार के विधानसभा चुनाव में बड़े भाई की भूमिका में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन में जेडीयू और भाजपा के बीच 122-121 के फॉर्मूले पर सीटों का बंटवारा हुआ था। जेडीयू को मिले 122 सीटों में से 115 पर नीतीश कुमार ने अपने उम्मीदवार खड़े किए थे और 7 सीटें जीतन राम मांझी की पार्टी को दिया था। वहीं भाजपा ने अपने कोटे की 121 सीटों में से 110 पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे और 11 सीटें मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को दे दी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में 110 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा को 74 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। जबकि भाजपा से ज्यादा यानी 115 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद नीतीश कुमार की पार्टी सिर्फ 43 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई थी।

औरंगजेब के बाद अब 'हलाल' पर बवाल

» कर्नाटक बजट को लेकर भाजपा व कांग्रेस में रार

» धर्मनिरपेक्षता का अनादर करती है भाजपा : सिद्धरमैया

» कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने बजट को हलाल कहने पर भाजपा की आलोचना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। देश की राजनीति में एकबार फिर धर्म के नाम पर सिर फुटव्वल जारी हो गया है। अपने-अपने वोट बैंक के चक्कर में सियासी दल देश के ताने-बाने को तहस-नहस करने में लग गए हैं। जहां भाजपा औरंगजेब को लेकर सपा पर मुखर है तो कांग्रेस ने कर्नाटक के बजट को हलाल कहने पर बीजेपी को घेरा लिया। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्य के बजट को हलाल बजट और पाकिस्तान बजट कहने के लिए विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। इससे पहले भाजपा ने बजट को तुष्टीकरण करार दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का बयान उसकी वीभत्स मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर टोपी पहने हुए सिद्धरमैया की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कर्नाटक में घोटालेबाज मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने हलाल बजट पेश किया - तुष्टीकरण अपने चरम परमुख्यमंत्री ने अपना 16वां बजट पेश करने के बाद कहा कि अल्पसंख्यकों का मतलब सिर्फ मुसलमान नहीं है और इस श्रेणी में बौद्ध, जैन, सिख एवं ईसाई भी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईसाइयों के लिए भी 250 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

भाजपा का बयान उनकी वीभत्स मानसिकता : सिद्धरमैया

सिद्धरमैया ने कहा, बजट का आकार 4.09 लाख करोड़ रुपए है और अगर हम अल्पसंख्यकों को 4,500 करोड़ रुपए देते हैं तो भाजपा इसे हलाल बजट कहती है। उनका बयान उनकी वीभत्स मानसिकता को दर्शाता है। जब एक पत्रकार ने उनसे अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के लिए आवंटन के बारे में सवाल किया जो कि कुल आबादी का 56 प्रतिशत हैं, तो सिद्धरमैया ने कहा कि उनके लिए 4,300 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति उप-योजना और जनजातीय उप-योजना (एससीएसपी-टीएसपी) के लिए 42,018 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने एससीएसपी-टीएसपी के लिए बड़ी राशि का आवंटन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में भाजपा नेताओं में यह कहने का साहस नहीं है कि केंद्र सरकार को कर्नाटक द्वारा एससीएसपी-टीएसपी लागू किए जाने के तरीके को अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, लेकिन वे हमें यह बताने आते हैं कि हम मुसलमानों को पैसे दे रहे हैं। हमसे सवाल करने का उनका क्या नैतिक अधिकार है?

सभी समुदायों का देश है, जो भाजपा को पता होना चाहिए

उन्होने कहा कि भाजपा ने कर्नाटक के बजट को हलाल बजट और पाकिस्तान बजट कहकर धर्मनिरपेक्षता का अनादर किया है। सिद्धरमैया ने कहा, यह सभी समुदायों का देश है, जो भाजपा को पता होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जो बजट पेश किया है, उसमे दूरदर्शिता है और यह समानता, सामाजिक एवं आर्थिक विकास को ध्यान मे रखकर बनाया गया बजट है। उन्होने कहा कि वह राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम का पालन करते है। उन्होने कहा कि 2024-25 मे बजट का आकार 3.71 लाख करोड़ रुपए था जो बढ़कर 4,09,549 करोड़ रुपए हो गया है और यह 38,166 करोड़ रुपए की वृद्धि है। उन्होने कहा कि बजट की वृद्धि दर 10.3 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एफआरबीएम अधिनियम के अनुसार मजबूत राजकोषीय स्थिति के लिए उधार सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 25 प्रतिशत से कम होना चाहिए और कर्नाटक पर उधार 24.91 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2024-25 मे राज्य ने पांच गारंटी के लिए 52,009 करोड़ रुपए निर्धारित किए थे, लेकिन अगले वित्त वर्ष मे 51,034 करोड़ रुपए आवंटित किए गए है। इन पांच गारंटी मे गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि और शक्ति योजनाएं शामिल है। ए गारंटी कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव से पहले किए गए पांच वादे है। सिद्धरमैया ने कहा, भाजपा ने कहा है कि पांच गारंटी लागू करने से राज्य दिवालिया हो जाएगा। क्या ऐसा हुआ? क्या उन्हे दिवालियापन का मतलब पता है?

अपने राज्यों में कर्नाटक मॉडल को दोहरा रही भाजपा

सीएम ने कहा कि भाजपा अब दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान मे गारंटी के कर्नाटक मॉडल को दोहरा रही है। इससे पहले, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करते हुए अल्पसंख्यको के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ की घोषणा की, जिसमे सादा विवाह समारोहो का समर्थन करने के लिए 50,000 रुपए और मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कॉलोनी विकास कार्यक्रम के तहत1,000 करोड़ रुपए शामिल है।मुख्यमंत्री ने कहा, आर्थिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदायो मे सादगीपूर्ण विवाह को बढ़ावा देने के लिए ऐसे सामूहिक विवाह आयोजित करने वाले गैर सरकारी संगठनो को प्रति जोड़े 50,000 रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। उन्होने कहा कि 250 मौलाना आजाद मॉडल इंग्लिश मीडियम स्कूल मे चरणबद्ध तरीके से प्री-प्राइमरी से पीयू (पूर्व विश्वविद्यालय) कक्षाएं शुरू की जाएंगी जिसकी कुल लागत 500 करोड़ रुपए होगी। सिद्धरमैया ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा प्रबंधित सबसे अधिक पंजीकरण वाले 100 उर्दू माध्यम विद्यालयो को मजबूत किया जाएगा और उन्हे आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कुल 400 करोड़ रुपए की उन्नयन योजना के तहत इस वर्ष 100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए है। उन्होने कहा, मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कॉलोनी विकास कार्यक्रम के तहत1,000 करोड़ रुपए की कार्ययोजना तैयार की गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सिर्फ कानून से महिला उत्पीड़न पर नहीं लगेगा अंकुश!

दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं।

पूरे देश ने 8 मार्च को महिला दिवस मनाया। केंद्र से लेकर राज्य की सरकारो लाखों रुपये खर्चा कर कई कार्यक्रम किए। पर इन सब के बीच जब हम ये खबर पढ़ते हैं बिहार के किसी सुदूर गांव में एक महिला के साथ इतनी दर्दनाक हरकत की गई कि उससे अमानवीयता भी शर्मसार हो गई। उस महिला के साथ दुष्कर्म तो हुआ ही उसके पांव में कीलें तक ठोंकी गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद महिला दिवस के नाम पर खानापूर्ति करने वाले नीति नियांताओं व आम नागरिकों से भी सवाल है कि केवल सेल्फी के लिए महिलाओं के नाम पर कार्यक्रम करना उचित है पर अपनी जिम्मेदारी भी समझना आवश्यक है। दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं।

इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के आए दिन जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता के परिजन, निकट संबंधी या परिचित ही आरोपी होते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में तो यहां तक कहा जा चुका है कि करीब 97 फीसदी मामलों में महिलाएं अपनों की ही शिकार होती हैं और यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिला अपराधों के मामले में पूरी दुनिया की यही तस्वीर है। जहां देश में हर 53 मिनट में एक महिला यौन शोषण की शिकार होती है और हर 28 मिनट में अपहरण का मामला सामने आता है। दुनिया में करीब 71 फीसदी महिलाएं शारीरिक मानसिक प्रताड़ना अथवा यौन शोषण व हिंसा की शिकार होती हैं। जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं। ऐसे कृत्यों में लिप्त रहने वाले लोगों की कुंठित मानसिकता के कारणों की पड़ताल करना भी बहुत जरूरी है, साथ ही सामाजिक मूल्यों का विकास करने के लिए विद्यालयों में नैतिक शिक्षा को लागू करना और छात्रों को अच्छा साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना समय की मांग है ताकि युवाओं की नकारात्मक सोच को परिवर्तित करने में मदद मिल सके, जिससे स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कुपोषण से जंग जीतकर ही बनेगा विकसित भारत

विश्वनाथ सचदेव

कहते हैं राजनीति की दुनिया में कुछ भी कहा जा सकता है। इस दुनिया के हर प्राणी को यह विशेषाधिकार मिला हुआ है कि वह जो चाहे बोले, जो चाहे दावे करे। खास तौर पर चुनावों के मौकों पर तो कुछ भी कहने, दावा करने का यह अधिकार खूब काम में लिया जाता है। इस बात की एक विशेषता यह भी है कि राजनेताओं के कथनों-दावों की सत्यता की कोई शिनाख्त नहीं होती। जो नेता बोले, सो सच! होता यह भी है कि नेता इन दावों-बातों को अक्सर भूल जाते हैं। कहना चाहिए, जान-बूझकर भुला दिया जाता है। फिर अगला चुनाव आ जाता है। फिर नये दावे, नयी बातें। कई बार तो ऐसा भी होता है कि एक चुनाव में एक नेता जो बोलता है, वैसा ही कुछ दूसरे चुनाव में दूसरा नेता बोल जाता है। मज़े की बात यह है कि इसे भी राजनीति की एक ज़रूरत के रूप में स्वीकार कर लिया गया है।

यह सारी बातें जो आज याद आ रही हैं उनका रिश्ता मखानों से है। वैसे यह रिश्ता किसी भी 'नायाब' चीज़ से हो सकता है, पर फिलहाल यह सब मखानों के संदर्भ में याद आ रहा है। सब जानते हैं कि मखाने बहुत पौष्टिक होते हैं। सामान्यत: बड़े लोग, यानी धनी लोग ही इसका सेवन कर पाते हैं। वैसे, अक्सर उपवास आदि में ही मखाने ज्यादा खाये जाते हैं। ज्ञातव्य यह भी है कि मखाने मुख्य भोजन नहीं होते, नाश्ते के रूप में या नमकीन के रूप में ही इसका उपयोग हो पाता है। ऐसा इसलिए कि मखाना एक महंगा पदार्थ है। सुना है, बाज़ार में इसका भाव पंद्रह सौ से लेकर दो हजार रुपये प्रति किलो है। थोक भाव कुछ कम होता होगा। तो जैसा कि सब जानते हैं, यह बहुत महंगा और बहुत पौष्टिक आहार है। अब तो सब यह भी जान गये होंगे कि हमारे प्रधानमंत्री जी को यह आहार बहुत पसंद है। हाल ही में जब वह आगामी चुनावों के संदर्भ में प्रचार करने के लिए बिहार गये थे तो वहां एक विराट जनसभा में उन्होंने बताया था कि वे साल के 365 दिनों में से 300 दिन तो वह मखाना खाते ही हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य का एक कारण यह आहार भी हो सकता है। उस सभा में प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि दुनिया के बाज़ार में इसकी मांग बढ़ती जा रही है।

हमारे देश में बिहार राज्य में इसकी सर्वाधिक पैदावार है। देश में मखाने की उपज का लगभग 35 प्रतिशत बिहार में ही होता है। कहते हैं 25-30 हजार किसान परिवार इस खेती से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि मखाने की मांग को ध्यान में रखते हुए हमारे बिहार के

किसान भी इससे लाभ उठाएं- उन्होंने कहा है, 'अब मखाने को दुनिया के बाज़ार तक पहुंचाना है।' उस सभा में तालियां बजाकर प्रधानमंत्री की इस बात का स्वागत किया गया था। तबसे देशी बाज़ार में भी मखाना चर्चा में है। अब इसे 'सुपरफूड' भी कहा जाता है। अंग्रेजी के इस विशेषण से हमारा मखाना और महत्वपूर्ण हो गया है! इस सुपरफूड की चर्चा देश के मुख्य धारा के समाचार-चैनलों में खूब हुई है। चर्चा सोशल मीडिया पर भी हो रही है, पर वहां स्वर कुछ अलग है। वहां इस बात पर हैरानी तो व्यक्त नहीं की जा रही, पर यह ज़रूर कहा जा रहा है कि इतना महंगा 'सुपरफूड' प्रधानमंत्री ही, या फिर उनका मित्र-परिवार भी, साल में 365 में से 300 दिन ही तक खा सकता है! सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि जिस देश में 80 करोड़ आबादी को मुफ्त अनाज देकर पेट भरवाना पड़ रहा हो, वहां का आम आदमी इतना महंगा 'सुपरफूड' कैसे खा सकता है? बहरहाल, आज भले ही यह दावा किया जा रहा हो कि 21वीं सदी भारत की है और 2047 तक हमारा भारत एक विकसित देश बन जाएगा, पर आज की स्थिति तो यही है कि हमारे देश में जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। वर्ष 2024 के ही एक सर्वेक्षण के अनुसार 'भुखमरी इंडेक्स' में दुनिया के 127 देशों में हमारा स्थान 105वां है। 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स' के इस आंकड़े से स्पष्ट है कि भले ही हम यह दावा करते फिरें कि हमारा भारत जल्द ही विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ जायेगा, पर हकीकत यह है कि अभी हम अपनी भूख मिटाने लायक भी नहीं बने हैं। जल्दी ही हम विकासशील देश से विकसित राष्ट्र बन जायें, यह कौन नहीं चाहेगा, पर चाहना हमें यह भी होगा कि वह दिन शीघ्र आये जब देश की आम जनता भी मखाना जैसा महंगा अनाज खा सके।

मखाने का स्वाद उसे भी पता हो। अभी तो यह बात एक खुशफहमी ही लगती है। हमें इस बात को भी नहीं भुलाना होगा कि वर्ष 2025 के एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारे देश में 28 राज्यों में बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। देश के लगभग एक-तिहाई बच्चों के शरीर में खून की कमी है। महिलाओं की स्थिति इन बच्चों से भी बुरी है। 'नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे' में यह देखने को मिला है कि 15 से 50 साल तक की लड़कियों-महिलाओं की आधी से ज्यादा आबादी रक्त की कमी से पीड़ित है।

वन उपज से दीर्घकालीन रोजगार का लक्ष्य

जब काफी मेहनत से एकत्रित उपज को व्यापारियों को बहुत सस्ती कीमत पर बेचना पड़ता है, तो प्राय: आदिवासी ठगे से महसूस करते हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए जहां उचित कीमत उपलब्ध करवाना जरूरी है। यह भी आवश्यक है कि इन उत्पादों के स्थानीय प्रसंस्करण द्वारा उनकी मूल्य वृद्धि की जाए और इस तरह बेहतर कीमत प्राप्त करने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार सृजन में भी वृद्धि की जाए।

भारत डोगरा

समावेशी विकास के लिए आदिवासी समुदायों की प्रगति को टिकाऊ आधार देना बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। इसके लिए लघु वन उपज आधारित आजीविकाओं का विशेष महत्व है क्योंकि वन बहुत नजदीकी तौर पर आदिवासी जन-जीवन से जुड़े हैं। यदि विविध तरह की लघु वन उपज का उपयोग वन-रक्षा के लिए जरूरी सावधानियों के अनुकूल हो, तो इससे टिकाऊ तौर पर आजीविका आधार बढ़ाने और बेहतर करने के अनेक अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। इन संभावनाओं को अधिकांश स्थानों पर अभी प्राप्त नहीं किया जा सका है क्योंकि चाहे लघु वन उपज एकत्र करने में आदिवासी कितनी भी मेहनत करें, पर उन्हें इस एकत्रित लघु वन उपज की उचित कीमत नहीं मिल पाती है। जब काफी मेहनत से एकत्रित उपज को व्यापारियों को बहुत सस्ती कीमत पर बेचना पड़ता है, तो प्राय: आदिवासी ठगे से महसूस करते हैं।

इस स्थिति को बदलने के लिए जहां उचित कीमत उपलब्ध करवाना जरूरी है। यह भी आवश्यक है कि इन उत्पादों के स्थानीय प्रसंस्करण द्वारा उनकी मूल्य वृद्धि की जाए और इस तरह बेहतर कीमत प्राप्त करने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार सृजन में भी वृद्धि की जाए। कुछ ऐसा ही प्रयास हो रहा है आदिवासी महिलाओं की प्रोड्यूसर कंपनी घूमर द्वारा, जो राजस्थान के पाली और उदयपुर जिलों में सक्रिय हैं। ग्रामीण महिलाओं की सदस्यता के आधार पर चल रही इस प्रोड्यूसर कंपनी ने सैकड़ों महिलाओं और उनके परिवारों की लघु वन उपज से प्राप्त आय में मात्र पांच-छह वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। धर्मी बाई की ही बात करें तो जहां पहले वह एक वर्ष में लघु वन उपज से 6 हजार रुपये के आसपास ही प्राप्त कर सकती थीं, वहां अब उनके परिवार ने एक वर्ष में 79,450 रुपये की आय लघु वन उपज से प्राप्त की। इन गांवों में ऐसी सैकड़ों महिलाएं मिल जाएंगी, जो 50,000 रुपये के आसपास एक वर्ष या सीजन में लघु वन-उपज से प्राप्त कर रही हैं।

घूमर महिला प्रोड्यूसर कंपनी में लगभग 2000 महिला शेयर होल्डर हैं, जिनमें से अधिकांश गरासिया आदिवासी महिलाएं हैं। इस कंपनी के लगभग सभी उत्पाद इन महिलाओं और उनके परिवारों की आजीविका को सशक्त करने के साथ स्वास्थ्य को बेहतर करने वाले उत्पादों से जुड़े हैं। सीताफल या कस्टर्ड एप्पल के गूदे को निकाल कर विभिन्न खाद्य औद्योगिक इकाइयों को बेचा जाता है, जबकि इसके बीज और छिलके का भी उचित उपयोग होता है। जामुन के स्लाइस और पेय तैयार होते हैं। पलाश के फूल का गुलाल बनता है और अन्य वनस्पतियों आधारित सूखे रंग भी बनते हैं। पलाश की पत्तियों के दोने-पत्तल बनते हैं। बेर छांट कर बेचे जाते हैं और इसके चूर्ण और पेस्ट से अन्य उत्पाद भी बनते हैं, जैसे लड्डू और लालीपॉप जैसा खाद्य।

घूमर महिला प्रोड्यूसर कंपनी ने इन विभिन्न उत्पादों के लिए आधुनिक उत्पादन विधियां विकसित की हैं और इसके लिए जरूरी मशीनें और उपकरण खरीदे हैं, पर साथ ही ऐसी तकनीक अपनाई है जो अधिकांश यंत्र आधारित न हो और जिसमें आदिवासी ग्रामीण महिलाओं को पर्याप्त रोजगार मिलता रहे। इन विभिन्न उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के प्रयास तेज हो रहे हैं, पर इन ग्रामीण महिलाओं के लिए केवल आय बढ़ाना ही सब कुछ नहीं है, वे इस ओर भी ध्यान देती हैं कि वनों की रक्षा करते हुए ही उपज प्राप्त की जाए ताकि वन आधारित आजीविका टिकाऊ आधार पर सुरक्षित रहे।

दूसरी ओर कुछ बाहरी एजेंट इस तरह वनों का दोहन करने का प्रयास करते हैं, जिससे कच्चे फल भी तोड़े जाते हैं और पेड़ों से सीताफल जैसे फल कम प्राप्त होते हैं। फल प्राप्त करने का सीजन छोटा हो जाता है, फल एकत्रित करने वालों की आय कम होती है और कच्चे ही तोड़ लिए गए फल एक तरह से नष्ट ही होते हैं क्योंकि उनका कोई विशेष उपयोग नहीं हो पाता है। दूसरी ओर घूमर महिला प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़ी महिलाओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि विभिन्न सावधानियों को अपनाते हुए ही फल, फूल, पत्ती आदि को प्राप्त किया जाए। साथ ही स्थानीय परिवेश से जुड़े होने के कारण उन्हें स्वाभाविक तौर पर भी इस विषय का बेहतर पारंपरिक ज्ञान होता है कि क्या तोड़ना है और क्या नहीं तथा कैसी सावधानी बरतना जरूरी है। कंपनी के नेतृत्व का प्रयास है कि इसके उत्पादन और आय को बढ़ाकर इसे कहीं अधिक महिलाओं तक पहुंचाया जाए और उन्हें अधिक आय भी उपलब्ध कराई जाए। इसे संबंधित अधिकारियों से भी सहयोग मिल रहा है। एक बड़ा सवाल यह है कि क्या इसके उत्पाद स्वयं भी एक लोकप्रिय ब्रांड के रूप में सीधे-सीधे उपभोक्ताओं में अधिक व्यापक स्थान प्राप्त कर सकेंगे। यदि ऐसा संभव हुआ तो यह वन-उपज आधारित आदिवासियों की टिकाऊ आजीविका को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

सहजन

कैल्शियम और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों की कमी को करता है दूर

सहजन खाने में बेहद स्वादिष्ट और कई पोषक तत्वों से भरपूर है। यह एक सुपरफूड है, जिसे कई नामों जैसे मोरिंगा, सहजना, सुजना, मुनगा से जाना जाता है। इसका वानस्पतिक नाम 'मोरिंगा ओलिफेरा' है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह प्रोटीन और कैल्शियम का जबरदस्त स्रोत माना जाता है। दरअसल, इसमें दूध की तुलना में दोगुना प्रोटीन और चार गुना कैल्शियम पाया जाता है। इसकी फली, पत्तियां और बीज आदि उपयोगी हैं। पेट और कफ रोगों में सहजन बेहद फायदेमंद है। इसकी पत्तियां मोच, साइटिका, आंखों की बीमारी और गठिया रोग में लाभकारी हैं। कई पोषक तत्वों से भरपूर सहजन विभिन्न रोगों में भी बेहद फायदेमंद है।

मधुमेह में करता है आराम

सहजन का सेवन मधुमेह के रोगियों के लिए भी बेहद लाभदायक है। यह ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करता है, इस कारण से मधुमेह को नियंत्रित करता है। इसके अलावा सहजन गॉलब्लैडर फंक्शन में इजाफा करता है। जिससे शुगर नियंत्रित रहती है। असल में डायबिटीज मरीजों के लिए सहजन रामबाण औषधि है। इसके निरंतर सेवन से ऐसे रोगियों को स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अच्छा फायदा मिलता है।

पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है

पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहजन में पाए जाने वाले फाइबर तत्व लाभकारी होते हैं। आंतों को साफ करने में भी सहजन कारगर है। इसमें प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट तत्व प्रचुर मात्रा में होने के कारण पेट सम्बन्धी रोगों में फायदा मिलता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि सहजन एक ऐसा सुपर फूड है जो आपके हेल्दी रखने में मददगार हो सकता है।

हड्डियों को मजबूत करने में कारगर है

एक रिसर्च के अनुसार, सहजन कैल्शियम से भरपूर होता है। इस वजह से यह हड्डियों को मजबूत करता है। एक गिलास मिल्क में कैल्शियम की जितनी मात्रा होती है, उससे ज्यादा कैल्शियम सहजन की एक समय की सब्जी से प्राप्त हो जाता है। इसका सेवन बच्चों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। सहजन खाने से बोन डेंसिटी बढ़ जाती है। आपके स्वास्थ्य के लिहाज सहजन काफी उपयोगी सब्जी है।

खून को करता है साफ

खून को शुद्ध करने में सहजन की पत्तियां बेहद फायदेमंद है। दरअसल, इसकी पत्तियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व ताकतवर रोग प्रतिरोधक का काम करते हैं। सहजन का ज्यूस और सूप बेहद पॉवरफुल होता है। यह कई स्किन सम्बन्धी बीमारियों में फायदेमंद है। इसके सेवन से त्वचा की झुर्रियों और रूखेपन से निजात पाई जा सकती है।

पोषक तत्वों पर एक नजर डालते हैं

ड्रमस्टिक या सहजन में कैल्शियम, विटामिन-ए, विटामिन-बी1, विटामिन-बी2, विटामिन-बी3, विटामिन-बी5, विटामिन-बी6, विटामिन-बी9, विटामिन-सी, पोटैशियम, आयरन, पानी, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, सोडियम, कार्बोहाइड्रेट, फास्फोरस और जिंक जैसे तत्व प्रमुख मात्रा पाए जाते हैं। सहजन के गुणों को लेकर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोथेरेपी रिसर्च में चौंकाने वाली बात सामने आई। इस रिसर्च के मुताबिक, सहजन में गाजर की तुलना में 10 गुना अधिक विटामिन-ए, संतरा की तुलना में 7 गुना विटामिन-सी, दूध के मुकाबले 17 गुना ज्यादा कैल्शियम और साग की तुलना में 25 गुना आयरन तत्व पाए जाते हैं।

हंसना मना है

आंटीः अरे बेटा, तुम तो बड़े हो गए हो।
लड़का- हां...और कोई ऑप्शन ही नहीं था।

एक औरत अपनी पड़ोसन को बता रही थी, तुझे पता है 20 साल तक मेरी कोई औलाद नहीं हुई। पड़ोसन हैरानी से- तो फिर तूने क्या किया? औरतः फिर मैं 21 साल की हुई तो मेरे पापा ने मेरी शादी कर दी फिर जा के मुन्ना हुआ
पड़ोसन खड़े खड़े बेहोश हो गयी।

पतिः मेरे सीने में बहुत दर्द हो रहा है जल्दी से एम्बुलेंस को फोन लगाओ।
पत्नीः हां लगाती हूं, जल्दी अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ। पतिः रहने दो अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

अंकलः बेटा क्या करते हो? चिंटूः अंकल मैं बाबू हूं। अंकलः वाह तुम क्लर्क हो ? चिंटूः नहीं अंकल मैं बाबू हूं। अंकलः अबे तू है क्या? चिंटूः अरे अंकल मैं बाबू हूं, आपकी बेटी का... आपकी बेटी मुझे हमेशा कहती है मेरा बाबू। अंकल बेहोश।

गर्लफ्रेंडः मेरा मोबाइल माँ के पास रहता है। बॉयफ्रेंडः अगर पकड़ी गई तो?
गर्लफ्रेंडः तुम्हारा नंबर बैटरी लो नाम से रखा है। जब भी तुम्हारा फोन आता है तो मां कहती है, लो चार्ज कर लो।
बॉयफ्रेंड अभी भी कोमा में है।

कहानी | भूखी चिड़िया

सालों पहले एक घंटाघर में टींकू चिड़िया अपने माता-पिता और 5 भाइयों के साथ रहती थी। टींकू चिड़िया छोटी सी थी। उसके पंख मुलायम थे। उसकी मां ने उसे घंटाघर की ताल पर चहकना सिखाया था। घंटाघर के पास ही एक घर था, जिसमें पक्षियों से प्यार करने वाली एक महिला रहती थी। वह टींकू चिड़िया और उसके परिवार के लिए रोज रोटी का टुकड़ा डालती थी। एक दिन वह बीमार पड़ गई और उसकी मौत हो गई। टींकू चिड़िया और उसका पूरा परिवार उस औरत के खाने पर निर्भर था। एक दिन भूख से बेहाल होने पर टींकू चिड़िया के पिता ने कीड़ों का शिकार करने का फैसला किया। काफी मेहनत करने के बाद उन्हें 3 कीड़े मिले, जो परिवार के लिए काफी नहीं थे। वे 8 लोग थे, इसलिए उन्होंने टींकू और उसके 2 छोटे भाइयों को खिलाने के लिए कीड़े साइड में रख दिए। इधर, खाने की तलाश में भटक रही टींकू, उसके भाई और उसकी मां ने एक घर की खिड़की में चोंच मारी, ताकि कुछ मिल जाए, लेकिन कुछ नहीं मिला। उल्टा घर के मालिक ने उनपर राख फेंक दी, जिससे तीनों भूरे रंग के हो गए। उधर, काफी तलाश करने के बाद टींकू के पिता को एक ऐसी जगह मिली, जहां काफी संख्या में कीड़े थे। उनके कई दिनों के खाने का इंतजाम हो चुका था। वह जब खुशी-खुशी घर पहुंचा, तो वहां कोई नहीं मिला। वह परेशान हो गया। तभी टींकू चिड़िया, उसका भाई और मां वापस लौटे, तो पिता उन्हें पहचान नहीं पाए और गुस्से में उन्होंने सबको भगा दिया। टींकू ने पिता को समझाने की काफी कोशिश की। उसने बार-बार बताया कि किसी ने उनके ऊपर रंग फेंका है, लेकिन टींकू के हाथ असफलता ही लगी। उसकी मां और भाई भी निराश हो गए, लेकिन टींकू ने हार नहीं मानी। वह उन्हें लेकर तालाब के पास गई और नहलाकर सबकी राख हटा दी। तीनों अब अपने पुराने रूप में आ गए। अब टींकू के पिता ने भी उन्हें पहचान लिया और माफी मांगी। अब सब मिलकर खुशी-खुशी एक साथ रहने लगे। उनके पास खाने की भी कमी नहीं थी।

7 अंतर खोजें

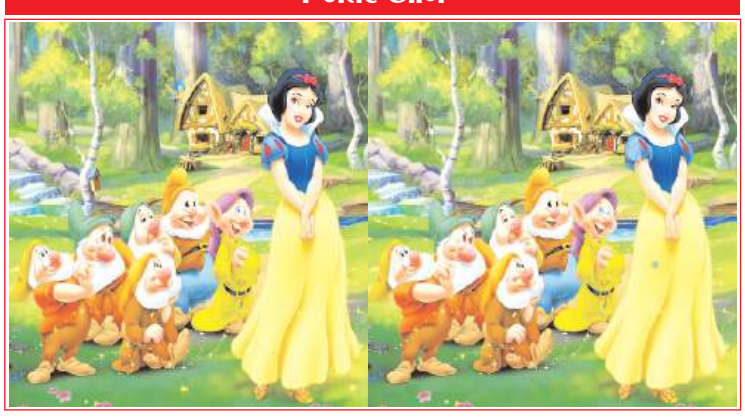

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
ख के साधन जुटेंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है। व्यापार अच्छा चलेगा।

वृषभ
शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। विवाद न करें। उतावली में कोई काम न करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी।

मिथुन
आज पारिवारिक विवाद से क्लेश होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक करेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे।

कर्क
शत्रु सक्रिय रहेंगे। घर-बाहर तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं।

सिंह
यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी सफल रहेंगे। धनार्जन होगा। पूँजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बना रहेगा।

कन्या
दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बाँटना आवश्यक है।

तुला
कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी। नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा।

वृश्चिक
आज रुपयों के लेन-देन में सावधानी रखें, अतिविश्वास किसी पर भी न करें। मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा।

धनु
कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे।

मकर
घर में कोई मुसीबत आ सकती है। फालतू धन खर्च होगा। जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी। पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी।

कुम्भ
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। घर की चिंता रहेगी। विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे। कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं।

मीन
साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बड़ा सकता है। स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा। दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा। कामकाज की गति बनी रहेगी। शत्रु परास्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

असल जिंदगी तो मैंने शादी के बाद जी है : माधुरी दीक्षित

जयपुर में चल रहे 25वें आईफा अवॉर्ड्स की शाम को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और ऑस्कर विनिंग प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने शिरकत की। इस दौरान माधुरी ने अपनी जिंदगी से जुड़ी कई बातों से पर्दा उठाया। सिनेमा में महिलाओं के सफर की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में माधुरी दीक्षित ने कहा, एक वक्त था जब मैं सेट पर होती थी और पूरे सेट पर मैं, मेरी असिस्टेंट और एक-दो और महिलाएं ही हुआ करती थीं। पर अब सेट पर मुझे कई महिलाएं दिखती हैं। वो सेट पर हर तरह का काम कर रही हैं। माधुरी दीक्षित ने अपनी जिंदगी के कई पहलुओं से पर्दा उठाते हुए कहा, जब शादी नहीं हुई थी तो काफी काम कर रही थी। तीन तीन शिफ्ट में काम करती थी। असल में जिंदगी तो मैंने शादी के बाद जी है। जो जिंदगी आज जी रही हूं अपने पति और बच्चों के साथ वो मेरे लिए सपने की तरह है। फिर मैं फिल्मों में वापस आई क्योंकि यही करना मेरा सपना है। माधुरी ने महिला प्रधान फिल्मों को लेकर कहा, एक वक्त पर मैंने कई फीमेल सेंट्रिक फिल्में कीं, जैसे मृत्युदंड और बेटा। मृत्युदंड करते वक्त कई लोगों ने कहा कि कमर्शियल सिनेमा करो पर मैंने वो फिल्म कीं क्योंकि उसमें महिला सशक्तिकरण की बात की गई थी। आज ये देखकर खुशी होती है कि कई ऐसी फिल्में बनती हैं, जिनकी कहानियों का केंद्र महिलाएं होती हैं। ये बदलाव एक दिन में नहीं आया इसके पीछे कई ऐसी फिल्मों और उन अभिनेत्रियों का हाथ है, जो बीते काफी वक्त से दमदार किरदार निभाती नजर आ रही हैं। इवेंट खत्म हो जाने के बाद माधुरी ने अपने प्रसिद्ध गाने एक-दो-तीन पर जमकर डांस भी किया। उनके साथ स्टेज पर फेमस यूट्यूबर और इवेंट के होस्ट सिद्धार्थ कन्नन भी मौजूद रहें। माधुरी दीक्षित इस साल आईफा अवॉर्ड नाइट में परफॉर्म करने वाली हैं। माधुरी के अलावा शाहरुख खान, करीना कपूर और शाहिद कपूर भी आईफा अवॉर्ड में परफॉर्म करेंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो माधुरी दीक्षित को आखिरी बार अनीस बज्मी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया था।

अभय वर्मा के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' करेंगी शयाना कपूर

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री में अभिनय से अपने करियर की शुरूआत करने वाली हैं। उन्हें एक के बाद एक प्रोजेक्ट मिल रहे हैं। बीते कल उन्होंने अपने इंस्टाग्राम से जानकारी दी कि वह आंखों की गुस्ताखियां से एक्टिंग के करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। इसके एक दिन बाद ही खबर आ रही है कि अब वह अपने दूसरे प्रोजेक्ट की भी तैयारी कर रही हैं। मिड-डे की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक रोमांस फिल्म में शनाया, अभय वर्मा के साथ काम करेंगी। निर्देशक शुजात सौदागर इस रोमांटिक-कॉमेडी का निर्देशन करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक शनाया शुक्रवार को गोवा के लिए रवाना हुईं। अगले एक महीने तक वह शूटिंग करेंगी। फिल्म के लिए अहम किरदारों ने तीन महीने की वर्कशॉप में हिस्सा भी लिया है। शनाया और अभय भी इस वर्कशॉप का हिस्सा बने।

बीते कल यानी शुक्रवार को शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें वह आंखों की गुस्ताखियां सेट पर नजर आ रही थीं। शनाया ने जो पोस्ट शेयर की उसमें देखा जा सकता था कि शनाया ने फिल्म का एक क्लिपबोर्ड ले रखा था। इस पर फिल्म का नाम आंखों की गुस्ताखियां लिखा हुआ था।

शनाया कपूर ने गुंजन सकसेना की फिल्म द कर्गिल गर्ल में एसिस्टेंट डायरेक्टर के बतौर काम किया है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर अहम रोल में हैं। शनाया कपूर तमिल-मलयालम फिल्म वृषभ में भी एक्टिंग करने वाली हैं। इस फिल्म में मोहन लाल भी अहम रोल में होंगे. ये फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म में सलमा आगा की बेटी जहरा एस खान और रोशन मेका भी नजर आएंगी।शनाया पहले करण जौहर की फिल्म बेधड़क से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत करने वाली थीं। इसमें वह निमरित का किरदार अदा करने वाली थीं। लेकिन इस फिल्म के बारे में अभी कोई अपडेट नहीं है।

टीवी की दुनिया ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया : रूपाली गांगुली

रूपाली गांगुली लगभग पांच साल से सीरियल 'अनुपमा' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। यह सीरियल आम महिलाओं की समस्याओं को भी अपनी कहानी के जरिए दिखाता है। साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने का संदेश भी देता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रुपाली गांगुली ने अपने टीवी सीरियल में काम करने के अनुभव, यहां के माहौल के बारे में बात की। हाल ही में जूम को दिए गए इंटरव्यू में रुपाली गांगुली कहती हैं, 'टीवी जैसी कोई और इंडस्ट्री हो ही नहीं सकती है। यह एक अच्छी जगह है। यहां आपको काबिलियत पर काम मिलता है। मैं आज भी ऑडिशन देती हूं। लेकिन इस इंडस्ट्री ने महिलाओं को बहुत सम्मान दिया है। महिला कलाकारों को यहां रानियों की तरफ ट्रीट किया जाता है। रुपाली गांगुली ने इंटरव्यू में शाहरुख खान की भी तारीफ की। वह कहती हैं, 'शाहरुख खान ने अपनी फिल्मों में हीरोइन का नाम खुद से पहले दिन की एक अच्छी पहल की है। यह एक बड़ा बदलाव है। मैं भी फिल्मी बैकग्राउंड से आती हूं। मेरे पिता वूमेन सेंट्रिक फिल्में बनाते थे। अब मैं भी टीवी पर 'अनुपमा' जैसा बेहतरीन सीरियल कर रही हूं।'

अजब-गजब | होली पर अभद्रता न हो इसलिए बनाये गये हैं अजीब नियम

होली पर कुंवारी लड़की पर रंग डाला तो करनी पड़ती है शादी, मना करने पर होती है सजा

रंगों का त्योहार होली मौज मस्ती का पर्व है। इस दिन लोग एक दूसरे को रंग लगाते हैं और हंसी ठिठोली करते हैं। लेकिन देश में होली पर कई जगहों पर अलग-अलग परंपराएं हैं। आज भी लोग इन परंपराओं के साथ होली खेलते हैं। कई जगहों पर लट्ठमार होली खेली जाती है। इस दिन महिलाएं पुरुषों को और पुरुष महिलाओं को रंग लगा देते हैं। इसमें कोई बुरा भी नहीं मानता लेकिन एक जगह ऐसी भी है, जहां अगर किसी कुंवारी लड़की को रंग लगा दिया तो उससे शादी करनी पड़ती है।

झारखंड के संथाल आदिवासी समाज में गैर पुरुषों को कुंवारी कन्याओं या महिलाओं पर रंग डालने की अनुमति नहीं होती है। यहां के नियम के अनुसार, होली पर कुंवारी कन्याओं को कोई भी गैर-पुरुष रंग नहीं लगाएगा और ना ही दूर से उस पर रंगों की बौछार करेगा। अगर कोई पुरुष ऐसा करता है तो उसे उस लड़की से शादी करनी पड़ेगी। युवतियों पर रंग उनके पति या भाई ही लगा सकते हैं।

यदि किसी भी युवक ने किसी कुंवारी लड़की पर रंग डाला तो समाज की पंचायत लड़की से उसकी शादी करवा देती है। वहीं अगर लड़की उस युवक से शादी करने से मना कर देती है तो रंग डालने के जुर्म में युवक की सारी संपत्ति लड़की के नाम करने की सजा भी पंचायत सुना सकती है। यह नियम झारखंड के पश्चिम सिंहभूम से लेकर पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी तक के इलाके में प्रचलित है।

कहा जाता है कि महिलाओं की पवित्रता कायम रहे और होली पर कोई उनके साथ अभद्र व्यवहार ना कर सके, इसके लिए समाज के पूर्वजों ने ऐसे नियम बनाए थे। समाज के लोग आज भी उन नियमों का पालन कर रहे हैं। इस नियम का सख्त रूप से आज भी पालन हो रहा है इसलिए शादी जैसे बंधन में बांधने की शर्त रख दी गई थी। यही कारण है कि आज भी इस कड़े नियम के कारण कुंवारी लड़कियों पर रंग नहीं डालते।

इस देश में भालू और उसके बच्चों को सुनाई गई थी मौत की सजा

कई बार जंगली जानवर इंसानों पर हमला कर देते हैं। कई बार तो वे लोगों को मार भी देते हैं। लेकिन क्या आपने किसी जंगली जानवर को मौत की सजा मिलते सुना है। इटली में एक भालू को उसके बच्चों सहित मौत की सजा सुनाई गई थी। बता दें कि भालू बहुत खूंखार जीव होते हैं। इटली में ऐसे ही एक खतरनाक भालू को मौत की सजा सुनाई गई। इसकी वजह क्या है हम आपको बताते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इटली के ट्रेंटो में एक 26 साल का व्यक्ति एंड्रिया पापी जॉगिंग करने निकला था। उस दौरान एक भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू ने एंड्रिया को चीर-फाड़ दिया और इस हमले में उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद से ही उस भालू को पकड़ने की मुहीम शुरू हो गई। एंड्रिया की गर्लफ्रेंड ने प्रशासन से अनुरोध किया कि भालू को पकड़कर उसे मौत की सजा दी जाए। इसके बाद जांच दल ने भालू के डीएनए टेस्ट से पता लगा लिया कि किस वाले जानवर ने शख्स को मारा था। इसके बाद उस भालू को उसके 3 बच्चों के साथ पकड़ लिया गया। ट्रेंटो के स्वायत्त प्रांत के राष्ट्रपति माउरिजियो फुगाटी ने भालू को मारने के लिए ऑर्डर दे दिया। भालू का नाम जेजे4 रखा गया।

घटना के बाद जब मृतक की गर्लफ्रेंड ने प्रशासन से अनुरोध किया कि भालू को पकड़कर उसके किए की सजा उसे दी जाए तो भालू को अभियान चलाकर पकड़ा गया। इसके बाद जज माउरिजियो फुगाटी ने भालू और उसके परिवार को मौत की सजा सुना दी। जज ने आदेश में कहा कि लोगों की सुरक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में इस भालू को मारना बिल्कुल सही है, इसे किसी दूसरी जगह भी शिफ्ट नहीं किया जा सकता।

भजनलाल के बयान पर घमासान

सीएम ने बताया मोदी को पसंदीदा एक्टर

» कांग्रेस ने जमकर उड़ाई खिल्ली!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में एक कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी पर सियासी हमले किए। सीएम भजनलाल ने पीएम मोदी को अपना पसंदीदा अभिनेता बताया, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने तंज कसा। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी सरकार पर जनता के पैसों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। डोटासरा ने कहा कि बीजेपी सरकार के मुख्यमंत्री भी कहने लगे हैं कि मोदी नेता नहीं, अभिनेता है। इसको लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सीएम भजनलाल पर तीखा तंज किया।

उन्होंने कहा कि देर ही सही, बीजेपी सरकार के मुख्यमंत्री भी कहने लगे हैं कि मोदी नेता नहीं, अभिनेता हैं। इधर, कांग्रेस के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि जनता के खून पसीने की कमाई पर सरकार ने डकैती डाली है और डकैती का यह पैसा इस कार्यक्रम को दिया गया। राजधानी जयपुर में एक कार्यकर्म की सिल्वर जुबली पर फिल्मी सितारों का जमावड़ा लगा हुआ था। इस दौरान सीएम भजनलाल और डिप्टी सीएम दीया कुमारी भी समारोह में नजर आए। इस बीच मीडिया ने सीएम भजनलाल से सवाल किया कि आपका फेवरेट एक्टर कौन है? इस पर सीएम ने हंसते हुए पीएम नरेंद्र मोदी का नाम ले लिया। इस पर सभी लोग हंसने लगे।

सीएम भी कहने लगे हैं कि मोदी नेता नहीं, अभिनेता हैं : डोटासरा

इस वीडियो को लेकर डोटासरा ने सोशल मीडिया पर बीजेपी पर हमला किया। उन्होंने कहा कि देर से ही सही,भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री भी कहने लगे कि हैं कि मोदी जी नेता नहीं अभिनेता हैं। कैमरे की कलाकारी, टेलीप्रॉम्प्टर, वेशभूषा और लछेदार भाषणों में माहिर हैं।

सरकार ने जनता के पैसों पर डकैती डाली है : खाचरियावास

जयपुर में इस कार्यक्रम को लेकर गहलोत सरकार में मंत्री रह चुके प्रताप सिंह खाचरियावास शुरू से बीजेपी पर हमलावर बने हुए हैं। उन्होंने एक बार फिर सरकार को घेरते हुए कहा कि गरीबों की खून पसीने की कमाई पर सरकार ने डकैती डाली है और इस पैसे को कार्यक्रम में लगा दिया। प्रदेश के लोगों की हालत खराब है, लेकिन सरकार ने इस कार्यक्रम में नाच गाने के लिए 100 करो? रुपए दे दिए। उन्होंने फिल्मी स्टार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इन स्टारों को ढाई लाख रुपए के होटल के कमरों में ठहराया गया है, तमाम तरह की सुविधाएं दी जा रही है, जो जनता के पैसों का दुरुपयोग है।

निर्दोषों को परेशान कर रही पुलिस : जूली

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली रविवार को अलवर दौरे पर रहे। इस दौरान मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर उन्होंने जनसुनवाई की। इस अवसर पर टीकाराम जूली ने मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने तेलियाबास में एक बच्ची की मौत को लेकर कहा कि साइबर ठगी के नाम पर पुलिस ने लूट मचा रखी है। हालात यह है कि विधानसभा में खुद सरकार ने कहा कि वह जिले में साइबर ठगी के मामलों में कार्रवाई कर रही है, जिससे सरकार की कानून व्यवस्था का पता चलता है। पुलिस की हालत यह कि वह साइबर ठगी के आरोप में 50 लोगों को उठा लाती है और दो को रखकर बाकियों को पैसे लेकर छोड़ देती है। उन्होंने कहा कि तेलिया बास में भी पुलिस ने एक बच्ची को मार दिया, जबकि इस गांव में कोई साइबर ठग नहीं था। जब कांग्रेस ने मामला उठाया तो जसनच बदल दी, लेकिन जांच अभी तक नहीं हुई। टीकाराम जूली ने कहा कि महिला दिवस पर जहां राजस्थान सरकार बड़े-बड़े वादे जनता से कर रही थी वहीं दूसरी ओर महिला दिवस पर ही एक कांस्टेबल द्वारा महिला से उसके बेटे के सामने दुष्कर्म किया जाता है। जिससे साफ होता है कि भाजपा सरकार में महिला पर किस तरह अत्याचार हो रहा है।

नीतीश आरक्षण चोर हैं : तेजस्वी यादव

» सीएम नीतीश कुमार ने 50 हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चयनित 51,389 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इन शिक्षकों की भर्ती बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-3) के तीसरे चरण के तहत की गई है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि तीन चरणों में भर्ती किए गए 2,68,548 शिक्षकों के अलावा, 42,918 अभ्यार्थियों ने प्रधानाध्यापकों की परीक्षा उत्तीर्ण की है और उन्हें अगले महीने नियुक्ति पत्र मिल जाएंगे। वहीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि इन शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ववर्ती महागठबंधन सरकार के दौरान शुरू हुई थी।

राजद नेता ने कहा, नीतीश कुमार आरक्षण चोर हैं। आज उन्होंने उन शिक्षकों को नियुक्ति पत्र बांटे, जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान शुरू हुई थी। टीआरई-3 नियुक्तियों में आरक्षण लागू न होने से इन समुदायों के हजारों उम्मीदवार अवसर से वंचित हो गए। तेजस्वी यादव राज्य सरकार की नौकरियों में पिछड़े समुदायों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के अवसर पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि एससी (अनुसूचित जाति), एसटी (अनुसूचित जनजाति) और पिछड़े वर्गों (ओबीसी)के लिए आरक्षण 65 प्रतिशत तक बहाल की जाए।

भारत ने सातवीं आईसीसी ट्रॉफी जीती

» चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में कीवियों को चार विकेट से हराया

» रोहित-कोहली ने खेले सबसे ज्यादा फाइनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। यह भारत का लगातार दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट खिताब है। इससे पहले 2024 में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप जीता था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने सात विकेट गंवाकर 50 ओवर में 251 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 49 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित ने कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 76 रन बनाकर भारत को मुश्किल से निकाला। यह भारत की सातवीं आईसीसी ट्रॉफी है। इससे पहले टीम 1983 और 2011 वनडे विश्व कप, 2007 और 2024 टी20 विश्व कप और 2002, 2013 और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी है।

वहीं रोहित और कोहली आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे ज्यादा फाइनल खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में युवराज सिंह और रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ा। कोहली और रोहित का यह नौवां आईसीसी टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला है। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के साथ ही पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है। रोहित एक से अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले दूसरे कप्तान बन गए हैं। भारत को अपनी कप्तानी में धोनी ने तीन आईसीसी ट्रॉफी (2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी)जीती है। वहीं, सौरव गांगुली और कपिल देव की कप्तानी में भारत ने एक-एक आईसीसी खिताब जीते हैं।

खिताबी जीत के साथ रोहित ने की धोनी की बराबरी

चैंपियन पर पैसों की बारिश

दुबई। विजेता भारत पर पैसों की बारिश हुई है। भारतीय टीम को 2.4 मिलियन अमेरिका डॉलर यानी करीब 19.5 करोड़ रुपये मिले। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इनामी राशि में पिछली बार की तुलना में 53 प्रतिशत का इजाफा किया था। विजेता के अलावा उपविजेता न्यूजीलैंड की टीम को 1.12 मिलियन डॉलर (करीब 9.72 करोड़ रुपये) मिले, जबकि सेमीफाइनल में बाहर होने वाली दोनों टीमें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को 56000 डॉलर (4.86 करोड़ रुपये) मिले। इस टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि बढ़कर 6.9 मिलियन डॉलर (करीब 60 करोड़ रुपये) हुई थी।

हम मजबूत भारतीय टीम से हारे: मिचेल सैंटनर

भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि यह अच्छा टूर्नामेंट था। हमें कड़ी चुनौती मिली और हम आज एक बेहतर टीम से हारे। सभी ने टूर्नामेंट में योगदान दिया और अलग-अलग समय में अपनी भूमिका निभाई। हमने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन पावरप्ले में कुछ विकेट गंवा दिए। उनके स्पिनरों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। वे विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं। हम 20-25 रन पीछे रह गए।

भारत सरकार अपने वादे पूरे करे : फारुख

» नेकां नेता बोले- महिलाओं को सशक्त बनाने वाला विधेयक कब होगा लागू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिलेगा। भारत सरकार को इसे बहाल करना चाहिए, जैसा कि उसने संसद में वादा किया था। भारत सरकार को अपनी प्रतिबद्धता पूरी करनी होगी। जब मैं संसद का सदस्य था, तब उसने संसद में जो वादा किया था। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक समारोह में बोलते हु उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के लिए लड़ने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर भी चिंता व्यक्त की और कर्नाटक के हम्पी में 27 वर्षीय इजरायली पर्यटक के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, वह एक महिला है, चाहे वह इजराइल से हो या कहीं और से। ऐसा नहीं होना चाहिए था। शासन में महिलाओं की अधिक भागीदारी का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा पुरुषों को महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। हमने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए संसद में एक विधेयक पारित किया है, लेकिन कौन जानता है कि इसे कब लागू किया जाएगा। अब्दुल्ला ने महिलाओं से आगामी स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों में भी जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया।

रमजान के दौरान गुलमर्ग में फैशन शो आयोजित, सीएम उमर ने तलब की रिपोर्ट

श्रीनगर। रमजान माह में गुलमर्ग में आयोजित फैशन शो से कश्मीरी नेता नाराज हैं। तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों से 24 घंटे के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि फैशन शो के कारण स्थानीय लोगों की संवेदनाएं आहत हुई हैं। फैशन शो 7 मार्च को शिवान और नरेश नाम के डिजाइनर लेबल की तरफ से आयोजित किया गया। यह इवेंट स्की एंड एप्रेस स्की 2025 महोत्सव का हिस्सा है। इसमें कला प्रिंट्स से सजी ड्रेस पहनकर मॉडल्स ने गुलमर्ग के बर्फीले इलाके में रनवे पर परेड की थी। मॉडल्स के पहने गए कपड़ों के कारण लोगों में आक्रोश है। एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है और रिपोर्ट जल्द ही मिलने की उम्मीद है। हुर्रियत कांफ्रेंस के नेता मीरवाइज उमर फारूक ने सोशल मीडिया पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने लिखा, घिनौना। लिखा है कि घाटी को उसकी पवित्रता के लिए जाना जाता है, इसे कैसे सहन किया जा सकता है। उन्होंने आयोजकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

हर समय देशहित की सोचते हैं राहुल गांधी: कुमारी शैलजा

» कांग्रेस सांसद ने कहा- उनके हर बयान के पीछे होता है तथ्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिरसा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही में दी गई टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने खुलकर समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल जब भी कुछ कहते हैं, तो उसके पीछे हमेशा एक मजबूत तथ्य होता है। हर कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता को उनके बयानों को समझना और उस पर विचार करना चाहिए।

कुमारी शैलजा ने कहा कि राहुल ने हमेशा देश के मुद्दों को ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ उठाया है। उनके बयान जनता की आवाज होते हैं और वह देशहित में बात करते हैं। कुमारी शैलजा ने कहा कि राहुल देश के ज्वलंत मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और किसानों के मुद्दों पर हमेशा आम जनता की आवाज उठाई है।

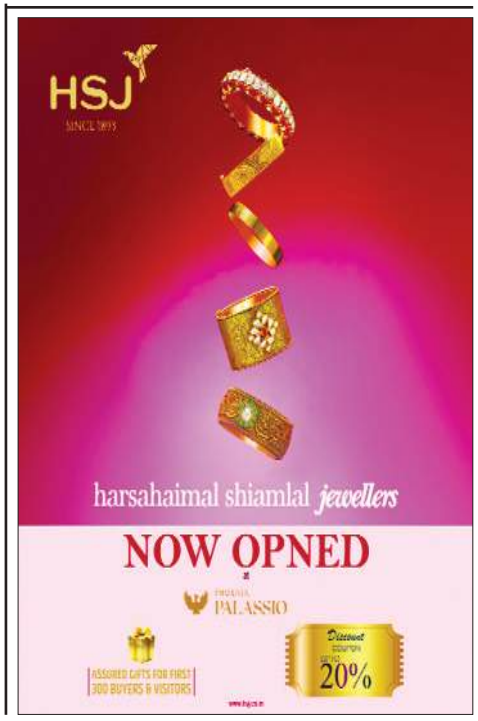

योगी सरकार को अत्याचार नहीं करने देंगे : चन्द्रशेखर रावण

» आजाद समाज पार्टी ने किया लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन

» कहा- प्रदेश सरकार डरी तो करने लगी दमन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज आजाद समाज पार्टी ने लखनऊ के परिवर्तन चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रर्दशन में हजारों की संख्या में आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचे। आज का प्रर्दशन चंद्रशेखर रावण पर हुये हमले के विरोध में किया गया। प्रर्दशनकारियों की मांग

है कि चंद्रशेखर रावण को जेडप्लस की सुरक्षा दी जाए। इस अवसर पर रावण ने एलान किया है कि वह योगी सरकार को आज जनता पर अत्याचार नहीं करने देंगे। उन्होंने जल्द ही लखनऊ से एक बड़े आंदोलन को शुरू करने के भी संकेत दिये हैं।

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना से सांसद चन्द्रशेखर रावण ने वीडियों संदेश में कहा है कि जब वह बिहार से यूपी आ रहे थे तो उन्हें रास्ते में डिटेन कर लिया गया और यूपी में नहीं आने दिया।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकर्ताओं के साथ भी ऐसा ही हुआ और जगह— जगह उनको रोक कर गिरफ्तार किया गया। योगी सरकार आज के उनके प्रदर्शन से डर गयी और दमनात्मक कार्रवाई की गयी। उन्होंने परिवर्तन चौक पहुंचे कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि जल्द ही बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

सरकारी अत्याचार बढ़ा है

चन्द्रशेखर रावण ने जो वीडियो संदेश जारी किया है उसमें उन्होंने योगी सरकार पर गंभीर अरोप लगाये हैं। उन्होंने संदेश में कहा है कि यूपी में दलित, पिछड़ा, आदिवासी और अल्पसंख्यकों पर हाल के दिनों में अत्याचार बढ़े। देश में भेदभाव की घटनाएं बढ़ रही हैं। लखनऊ में लोकतांत्रिक आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। दलितों की बारातों पर हमले कर दुल्हे को घोड़े पर बैठने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब यह सब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सरकार को जवाब देना होगा।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं रखती योगी सरकार

चन्द्रशेखर रावण ने कहा कि लगता है कि योगी सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं रखती। तभी उनके आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जितनी शक्ति से आज के आंदोलन को रोकने का प्रयास किया गया। यदि सरकार इतनी ही शक्ति समस्याओं को दूर करने में लगाती तो बेहतर होता। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि यूपी में कमजोर वर्गों पर अत्याचार नहीं रूका तो इस बार शक्तिशाली आंदोलन होगा।

बजट सत्र का दूसरा चरण : राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट को लेकर सरकार को घेरा

» ट्रंप की धमकियों पर विपक्ष का फोकस

» सरकार का मणिपुर बजट के लिए अनुमोदन प्राप्त करने और वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से शुरू हो गया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने मणिपुर मुद्दों को लेकर हंगामा किया। वहीं राज्यसभा में भी विपक्षी दलों के नेता अलग-अलग मुद्दों को लेकर हंगामा करते रहे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से शांत रहने की अपील की।

लोक सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहशल गांधी ने भी वोटर लिस्ट को लेकर एनडीए सरकार को घेरा। बता दें सरकार और विपक्ष के बीच ईपीआईसी के मुद्दे पर टकराव होने की उम्मीद है। विपक्ष मतदाता सूची में कथित हेराफेरी, मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना और ट्रंप प्रशासन से निपटने में भारत के रुख जैसे मुद्दों को उठाने की योजना बना रहा है। सरकार का ध्यान अनुदान मांगों के लिए संसद की मंजूरी प्राप्त करने के साथ-साथ बजटीय प्रक्रिया को पूरा करने, मणिपुर बजट के लिए अनुमोदन प्राप्त करने और वक्फ संशोधन विधेयक को पारित करने पर रहेगा। सदन में भारी हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी है। तो वहीं सरकार का फोकस वक्फ संशोधन विधेयक को जल्दी पारित कराने पर होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मणिपुर का बजट भी इसी सत्र में पेश करेंगी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट का मामला उठाया और सदन में उस पर चर्चा की मांग की। टीएमसी ने भी वोटर लिस्ट का मामला उठाया। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी वोटर लिस्ट पर संसद में चर्चा की मांग की।

कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा, चुनाव आयोग सरकार के कब्जे में है, अगर लोकतंत्र ऐसे ही चलता रहा और चुनाव आयोग सरकार की पैरवी करता रहा तो निश्चित रूप से जो नतीजे आएंगे, वे आपके सामने है। अगर ऐसी ही व्यवस्था चलती रहेगी तो वह लोकतंत्र नहीं दिखावा है। हमें कई वर्षों से संदेह है। जमीन पर क्या होता है, वह सभी को पता है लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है।

ताजमहल में दरार आ रही है : ओवैसी

असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में भारतीय पुरातत्व विभाग में खाली पड़े पदों पर सवाल उठाए और कहा कि पानी का रिसाव हो रहा है, ताजमहल में दरार आ गई है।

संसद में गूंजा यूपी में पत्रकार की हत्या का मामला

लोकसभा में यूपी में हाल ही में एक युवा पत्रकार की हत्या का मामला भी गूंजा। सपा सांसद ने पीड़ित परिवार को आर्थिक मुआवजा और परिजन को नौकरी देने की मांग की। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इसे राज्य का मामला बताकर इसे राज्य सरकार के सामने उठाने की बात कही।

भाषा विवाद पर शिक्षामंत्री का प्रहार

तमिलनाडु सरकार बेईमान है और पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) को लागू करने के मुद्दे पर पूरी तरह यू-टर्न लेकर राज्य के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की इस टिप्पणी पर द्रमुक सदस्यों के विरोध के बाद लोकसभा की कार्यवाही लगभग 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई थी।दरअसल नई शिक्षा नीति और तीन भाषा विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा में कहा, वे (डीएमके) बेईमान हैं। वे तमिलनाडु के छात्रों के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं। वे तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। उनका एकमात्र काम भाषा की बाधाएं खड़ी करना है। वे राजनीति कर रहे हैं। वे अलोकतांत्रिक और असभ्य हैं।

वनुआतु सरकार ने निरस्त की ललित मोदी की नागरिकता

» सरकार पासपोर्ट भी रद्द, कहा- इस आदमी के कारनामे का पता नहीं था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के शिकंजे से बचने के लिए भगोड़े कारोबारी ललित मोदी ने वनुआतु की नागरिकता हासिल की थी। इसी बीच ललित मोदी को एक बड़ा झटका लगा है। वहां के प्रधानमंत्री जोथम नापत ने नागरिकता आयोग को निर्देश दिया है कि ललित मोदी को दिया गया पासपोर्ट रद्द कर दिया जाए। दैनिक अखबार वनुआतु डेली पोस्ट ने अपने फेसबुक पोस्ट में इससे जुड़ी जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त नीता भूषण ने कुछ अन्य द्वीपीय देशों के साथ मिलकर ललित मोदी के वानुअतु पासपोर्ट को रद्द कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर वानुअतु डेली पोस्ट ने लिखा, 'हाल ही में अंतराष्ट्रीय मीडिया में हुए खुलासों के बाद यह फैसला लिया गया है. बाकी जानकारी कल के अखबार में देंगे, इस बार उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है. दावा किया वनुआतु को बाद में पता चला कि ललित मोदी भारत का भगोड़ा कारोबारी है, जिस वजह से ये फैसला लिया गया।

सड़क हादसे में पांच की मौत, तीन घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। जबकि तीन लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, लखनऊ-गोरखपुर फोरलेन पर बस्ती के नगर थाना क्षेत्र के गोटवा के पास सोमवार सुबह लाइन बदल रहे कंटेनर में लग्जरी कार की टक्कर हो गई। कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान शिवराज सिंह पुत्र होमपाल सिंह, जिला संभल, शकील पता अज्ञात, बिस्वजीत पता अज्ञात, बहारन पता अज्ञात, डॉ प्रेम पुत्र नंदलाल, तरकुलही जसोपुर थाना खोराबार गोरखपुर के रुप में हुई है।

दिल्ली में भाजपा का एलान, पंजाब में घिरे सीएम मान

भाजपा ने आप सरकार को याद कराए चुनावी वादे, कांग्रेस व शिअद ने भी आड़े हाथों लिया

» बजट सत्र में इस मुद्दे को उठाएंगे : बाजवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा ने महिला दिवस पर महिलाओं के लिए 2500 रुपये योजना लागू करने का एलान किया है। इस फैसले से पंजाब में भी सियासी हलचल बढ़ गई है। विपक्ष के निशाने पर सीएम मान आ गए हैं। विपक्ष ने सत्तासीन आम आदमी पार्टी पर महिलाओं के लिए प्रति महीने एक हजार रुपये की गारंटी पूरी न करने के चलते हमला बोला है।

नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि सीएम भगवंत मान ने 2022 में सत्ता में आने से पहले प्रदेश की एक करोड़ महिलाओं से हर महीने एक हजार रुपये आर्थिक मदद देने की घोषणा की थी। सरकार को तीन साल हो गए हैं, लेकिन अब तक महिलाओं से किया वादा पूरा नहीं किया गया। आम आदमी पार्टी पर महिलाओं का 36 हजार करोड़ रुपये के रूप में कर्ज बकाया है। 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को 1000 रुपये प्रति माह वजीफा देने का आप सरकार का बहुचर्चित कार्यक्रम लंबे समय से लंबित है। नेता प्रतिपक्ष बाजवा ने कहा कि वह आगामी पंजाब विधानसभा के बजट सत्र में इस मुद्दे को उठाएंगे। बाजवा ने कहा कि आप सरकार को महिलाओं को तीन साल का बकाया देने के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि मूल वादा सरकार बनाने के बाद इसे शुरू करने का था।

लोगों से झूठे वादे कर सत्ता में आई आप : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी लोगों से झूठे वादे करके सत्ता में आई थी। पार्टी ने नशा खत्म करने, रोजगार देने और महिलाओं को एक हजार रुपये महीने देने के साथ ही बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन इनमें से कोई वादा पूरा नहीं किया। हालत यह है कि युवा पंजाब को छोड़कर बाहर जाकर बस रहे हैं। प्रदेश में बेरोजगारी दर की बढ़ती जा रही है, जिस कारण युवा नशे की चपेट में हैं। सुभाष शर्मा ने कहा कि जब सरकार अपना प्रमुख वादा महिलाओं को एक हजार रुपये महीने देने का पूरा नहीं कर पाई है तो और उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।

'लोगों से किया विश्वासघात'

शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख प्रवक्ता अर्शदीप सिंह कलेर ने कहा कि राजनीतिक दलों की तरफ से लोगों के साथ जो भी वादे चुनाव के समय किए जाते हैं, उन्हें पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मान सरकार ने जिस वादे के साथ जोर-शोर के साथ प्रचार किया था। पार्टी इसे लेकर लोगों के घर-घर तक पहुंची थी, लेकिन उस वादे को ही तीन साल के अंदर लागू नहीं कर सकी। ऐसा करके पार्टी ने लोगों के साथ विश्वासघात किया है।

पंजाब की महिलाओं का आप पर 36 हजार करोड़ रुपये कर्ज : बाजवा

महिला दिवस पर नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने सीएम मान को उनके वादे को लेकर घेरा है। बाजवा ने कहा कि सीएम भगवंत मान ने 2022 में सत्ता में आने से पहले प्रदेश की एक करोड़ महिलाओं से हर महीने एक हजार रुपये आर्थिक मदद देने की घोषणा की थी। बाजवा ने कहा कि सरकार को तीन साल हो गए हैं, लेकिन अब तक महिलाओं से किया वादा पूरा नहीं किया गया। आम आदमी पार्टी पर महिलाओं का 36 हजार करोड़ रुपये के रूप में कर्ज बकाया है। बाजवा ने कहा कि 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को 1000 रुपये प्रति माह वजीफा देने का आप सरकार का बहुचर्चित कार्यक्रम लंबे समय से लंबित है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।